

SPRÁVA ŽELEZNIČNÍ
DOPRAVNÍ CESTY

Platí od 14. června do 12. prosince 2020

001/I, 017

Obchodní jména dopravců
ARRIVA vlaky s.r.o., Křižkova 148/34, Karlín, 186 00 Praha 8
tel. 281 012 001, www.arriva-vlaky.cz, info@arriva-vlaky.cz
České dráhy, a.s., Nábreží L. Svobody 1222, 110 15 Praha 1
tel. 221 111 122, www.cd.cz, info@cd.cz
Leo Express s.r.o., Řehořova 908/4, 130 00 Praha 3 – Žižkov
tel. 220 311 700, www.le.ez.cz, info@le.ez.cz

Správa železniční
dopravní cest,
státní organizace

Dlážděná 1003/7
110 00 Praha 1
www.szd.cz



RegioJet a.s., náměstí Svobody 86/17, 602 00 Brno
tel. 841 101 101, www.regiojet.cz, info@regiojet.cz

001 Praha - Česká Třebová - Přerov - Bohumín

| km | | 0100 | | 0101 | | 0102 | | 0103 | | 0104 | | 0105 | | 0106 | | 0107 | | 0108 | | 0109 | | 0110 | | 0111 | | 0112 | | 0113 | | 0114 | | 0115 | | 0116 | | 0117 | | 0118 | | 0119 | | 0120 | | 0121 | | 0122 | | 0123 | | 0124 | | 0125 | | 0126 | | 0127 | | 0128 | | 0129 | | 0130 | | 0131 | | 0132 | | 0133 | | 0134 | | 0135 | | 0136 | | 0137 | | 0138 | | 0139 | | 0140 | | 0141 | | 0142 | | 0143 | | 0144 | | 0145 | | 0146 | | 0147 | | 0148 | | 0149 | | 0150 | | 0151 | | 0152 | | 0153 | | 0154 | | 0155 | | 0156 | | 0157 | | 0158 | | 0159 | | 0160 | | 0161 | | 0162 | | 0163 | | 0164 | | 0165 | | 0166 | | 0167 | | 0168 | | 0169 | | 0170 | | 0171 | | 0172 | | 0173 | | 0174 | | 0175 | | 0176 | | 0177 | | 0178 | | 0179 | | 0180 | | 0181 | | 0182 | | 0183 | | 0184 | | 0185 | | 0186 | | 0187 | | 0188 | | 0189 | | 0190 | | 0191 | | 0192 | | 0193 | | 0194 | | 0195 | | 0196 | | 0197 | | 0198 | | 0199 | | 0200 | | 0201 | | 0202 | | 0203 | | 0204 | | 0205 | | 0206 | | 0207 | | 0208 | | 0209 | | 0210 | | 0211 | | 0212 | | 0213 | | 0214 | | 0215 | | 0216 | | 0217 | | 0218 | | 0219 | | 0220 | | 0221 | | 0222 | | 0223 | | 0224 | | 0225 | | 0226 | | 0227 | | 0228 | | 0229 | | 0230 | | 0231 | | 0232 | | 0233 | | 0234 | | 0235 | | 0236 | | 0237 | | 0238 | | 0239 | | 0240 | | 0241 | | 0242 | | 0243 | | 0244 | | 0245 | | 0246 | | 0247 | | 0248 | | 0249 | | 0250 | | 0251 | | 0252 | | 0253 | | 0254 | | 0255 | | 0256 | | 0257 | | 0258 | | 0259 | | 0260 | | 0261 | | 0262 | | 0263 | | 0264 | | 0265 | | 0266 | | 0267 | | 0268 | | 0269 | | 0270 | | 0271 | | 0272 | | 0273 | | 0274 | | 0275 | | 0276 | | 0277 | | 0278 | | 0279 | | 0280 | | 0281 | | 0282 | | 0283 | | 0284 | | 0285 | | 0286 | | 0287 | | 0288 | | 0289 | | 0290 | | 0291 | | 0292 | | 0293 | | 0294 | | 0295 | | 0296 | | 0297 | | 0298 | | 0299 | | 0300 | | 0301 | | 0302 | | 0303 | | 0304 | | 0305 | | 0306 | | 0307 | | 0308 | | 0309 | | 0310 | | 0311 | | 0312 | | 0313 | | 0314 | | 0315 | | 0316 | | 0317 | | 0318 | | 0319 | | 0320 | | 0321 | | 0322 | | 0323 | | 0324 | | 0325 | | 0326 | | 0327 | | 0328 | | 0329 | | 0330 | | 0331 | | 0332 | | 0333 | | 0334 | | 0335 | | 0336 | | 0337 | | 0338 | | 0339 | | 0340 | | 0341 | | 0342 | | 0343 | | 0344 | | 0345 | | 0346 | | 0347 | | 0348 | | 0349 | | 0350 | | 0351 | | 0352 | | 0353 | | 0354 | | 0355 | | 0356 | | 0357 | | 0358 | | 0359 | | 0360 | | 0361 | | 0362 | | 0363 | | 0364 | | 0365 | | 0366 | | 0367 | | 0368 | | 0369 | | 0370 | | 0371 | | 0372 | | 0373 | | 0374 | | 0375 | | 0376 | | 0377 | | 0378 | | 0379 | | 0380 | | 0381 | | 0382 | | 0383 | | 0384 | | 0385 | | 0386 | | 0387 | | 0388 | | 0389 | | 0390 | | 0391 | | 0392 | | 0393 | | 0394 | | 0395 | | 0396 | | 0397 | | 0398 | | 0399 | | 0400 | | 0401 | | 0402 | | 0403 | | 0404 | | 0405 | | 0406 | | 0407 | | 0408 | | 0409 | | 0410 | | 0411 | | 0412 | | 0413 | | 0414 | | 0415 | | 0416 | | 0417 | | 0418 | | 0419 | | 0420 | | 0421 | | 0422 | | 0423 | | 0424 | | 0425 | | 0426 | | 0427 | | 0428 | | 0429 | | 0430 | | 0431 | | 0432 | | 0433 | | 0434 | | 0435 | | 0436 | | 0437 | | 0438 | | 0439 | | 0440 | | 0441 | | 0442 | | 0443 | | 0444 | | 0445 | | 0446 | | 0447 | | 0448 | | 0449 | | 0450 | | 0451 | | 0452 | | 0453 | | 0454 | | 0455 | | 0456 | | 0457 | | 0458 | | 0459 | | 0460 | | 0461 | | 0462 | | 0463 | | 0464 | | 0465 | | 0466 | | 0467 | | 0468 | | 0469 | | 0470 | | 0471 | | 0472 | | 0473 | | 0474 | | 0475 | | 0476 | | 0477 | | 0478 | | 0479 | | 0480 | | 0481 | | 0482 | | 0483 | | 0484 | | 0485 | | 0486 | | 0487 | | 0488 | | 0489 | | 0490 | | 0491 | | 0492 | | 0493 | | 0494 | | 0495 | | 0496 | | 0497 | | 0498 | | 0499 | | 0500 | | 0501 | | 0502 | | 0503 | | 0504 | | 0505 | | 0506 | | 0507 | | 0508 | | 0509 | | 0510 | | 0511 | | 0512 | | 0513 | | 0514 | | 0515 | | 0516 | | 0517 | | 0518 | | 0519 | | 0520 | | 0521 | | 0522 | | 0523 | | 0524 | | 0525 | | 0526 | | 0527 | | 0528 | | 0529 | | 0530 | | 0531 | | 0532 | | 0533 | | 0534 | | 0535 | | 0536 | | 0537 | | 0538 | | 0539 | | 0540 | | 0541 | | 0542 | | 0543 | | 0544 | | 0545 | | 0546 | | 0547 | | 0548 | | 0549 | | 0550 | | 0551 | | 0552 | | 0553 | | 0554 | | 0555 | | 0556 | | 0557 | | 0558 | | 0559 | | 0560 | | 0561 | | 0562 | | 0563 | | 0564 | | 0565 | | 0566 | | 0567 | | 0568 | | 0569 | | 0570 | | 0571 | | 0572 | | 0573 | | 0574 | | 0575 | | 0576 | | 0577 | | 0578 | | 0579 | | 0580 | | 0581 | | 0582 | | 0583 | | 0584 | | 0585 | | 0586 | | 0587 | | 0588 | | 0589 | | 0590 | | 0591 | | 0592 | | 0593 | | 0594 | | 0595 | | 0596 | | 0597 | | 0598 | | 0599 | | 0600 | | 0601 | | 0602 | | 0603 | | 0604 | | 0605 | | 0606 | | 0607 | | 0608 | | 0609 | | 0610 | | 0611 | | 0612 | | 0613 | | 0614 | | 0615 | | 0616 | | 0617 | | 0618 | | 0619 | | 0620 | | 0621 | | 0622 | | 0623 | | 0624 | | 0625 | | 0626 | | 0627 | | 0628 | | 0629 | | 0630 | | 0631 | | 0632 | | 0633 | | 0634 | | 0635 | | 0636 | | 0637 | | 0638 | | 0639 | | 0640 | | 0641 | | 0642 | | 0643 | | 0644 | | 0645 | | 0646 | | 0647 | | 0648 | | 0649 | | 0650 | | 0651 | | 0652 | | 0653 | | 0654 | | 0655 | | 0656 | | 0657 | | 0658 | | 0659 | | 0660 | | 0661 | | 0662 | | 0663 | | 0664 | | 0665 | | 0666 | | 0667 | | 0668 | | 0669 | | 0670 | | 0671 | | 0672 | | 0673 | | 0674 | | 0675 | | 0676 | | 0677 | | 0678 | | 0679 | | 0680 | | 0681 | | 0682 | | 0683 | | 0684 | | 0685 | | 0686 | | 0687 | | 0688 | | 0689 | | 0690 | | 0691 | | 0692 | | 0693 | | 0694 | | 0695 | | 0696 | | 0697 | | 0698 | | 0699 | | 0700 | | 0701 | | 0702 | | 0703 | | 0704 | | 0705 | | 0706 | | 0707 | | 0708 | | 0709 | | 0710 | | 0711 | | 0712 | | 0713 | | 0714 | | 0715 | | 0716 | | 0717 | | 0718 | | 0719 | | 0720 | | 0721 | | 0722 | | 0723 | | 0724 | | 0725 | | 0726 | | 0727 | | 0728 | | 0729 | | 0730 | | 0731 | | 0732 | | 0733 | | 0734 | | 0735 | | 0736 | | 0737 | | 0738 | | 0739 | | 0740 | | 0741 | | 0742 | | 0743 | | 0744 | | 0745 | | 0746 | | 0747 | | 0748 | | 0749 | | 0750 | | 0751 | | 0752 | | 0753 | | 0754 | | 0755 | | 0756 | | 0757 | | 0758 | | 0759 | | 0760 | | 0761 | | 0762 | | 0763 | | 0764 | | 0765 | | 0766 | | 0767 | | 0768 | | 0769 | | 0770 | | 0771 | | 0772 | | 0773 | | 0774 | | 0775 | | 0776 | | 0777 | | 0778 | | 0779 | | 0780 | | 0781 | | 0782 | | 0783 | | 0784 | | 0785 | | 0786 | | 0787 | | 0788 | | 0789 | | 0790 | | 0791 | | 0792 | | 0793 | | 0794 | | 0795 | | 0796 | | 0797 | | 0798 | | 0799 | | 0800 | | 0801 | | 0802 | | 0803 | | 0804 | | 0805 | | 0806 | | 0807 | | 0808 | | 0809 | | 0810 | | 0811 | | 0812 | | 0813 | | 0814 | | 0815 | | 0816 | | 0817 | | 0818 | | 0819 | | 0820 | | 0821 | | 0822 | | 0823 | | 0824 | | 0825 | | 0826 | | 0827 | | 0828 | | 0829 | | 0830 | | 0831 | | 0832 | | 0833 | | 0834 | | 0835 | | 0836 | | 0837 | | 0838 | | 0839 | | 0840 | | 0841 | | 0842 | | 0843 | | 0844 | | 0845 | | 0846 | | 0847 | | 0848 | | 0849 | | 0850 | | 0851 | | 0852 | | 0853 | | 0854 | | 0855 | | 0856 | | 0857 | | 0858 | | 0859 | | 0860 | | 0861 | | 0862 | | 0863 | | 0864 | | 0865 | | 0866 | | 0867 | | 0868 | | 0869 | | 0870 | | 0871 | | 0872 | | 0873 | | 0874 | | 0875 | | 0876 | | 0877 | | 0878 | | 0879 | | 0880 | | 0881 | | 0882 | | 0883 | | 0884 | | 0885 | | 0886 | | 0887 | | 0888 | | 0889 | | 0890 | | 0891 | | 0892 | | 0893 | | 0894 | | 0895 | | 0896 | | 0897 | | 0898 | | 0899 | | 0900 | | 0901 | | 0902 | | 0903 | | 0904 | | 0905 | | 0906 | | 0907 | | 0908 | | 0909 | | 0910 | | 0911 | | 0912 | | 0913 | | 0914 | | 0915 | | 0916 | | 0917 | | 0918 | | 0919 | | 0920 | | 0921 | | 0922 | | 0923 | | 0924 | | 0925 | | 0926 | | 0927 | | 0928 | | 0929 | | 0930 | | 0931 | | 0932 | | 0933 | | 0934 | | 0935 | | 0936 | | 0937 | | 0938 | | 0939 | | 0940 | | 0941 | | 0942 | | 0943 | | 0944 | | 0945 | | 0946 | | 0947 | | 0948 | | 0949 | | 0950 | | 0951 | | 0952 | | 0953 | | 0954 | | 0955 | | 0956 | | 0957 | | 0958 | | 0959 | | 0960 | | 0961 | | 0962 | | 0963 | | 0964 | | 0965 | | 0966 | | 0967 | | 0968 | | 0969 | | 0970 | | 0971 | | 0972 | | 0973 | | 0974 | | 0975 | | 0976 | | 0977 | | 0978 | | 0979 | | 0980 | | 0981 | | 0982 | | 0983 | | 0984 | | 0985 | | 0986 | | 0987 | | 0988 | | 0989 | | 0990 | | 0991 | | 0992 | | 0993 | | 0994 | | 0995 | | 0996 | | 0997 | | 0998 | | 0999 | | 1000 | | 1001 | | 1002 | | 1003 | | 1004 | | 1005 | | 1006 | | 1007 | | 1008 | | 1009 | | 1010 | | 1011 | | 1012 | | 1013 | | 1014 | | 1015 | | 1016 | | 1017 | | 1018 | | 1019 | | 1020 | | 1021 | | 1022 | | 1023 | | 1024 | | 1025 | | 1026 | | 1027 | | 1028 | | 1029 | | 1030 | | 1031 | | 1032 | | 1033 | | 1034 | | 1035 | | 1036 | | 1037 | | 1038 | | 1039 | | 1040 | | 1041 | | 1042 | | 1043 | | 1044 | | 1045 | | 1046 | | 1047 | | 1048 | | 1049 | | 1050 | | 1051 | | 1052 | | 1053 | | 1054 | | 1055 | | 1056 | | 1057 | | 1058 | | 1059 | | 1060 | | 1061 | | 1062 | | 1063 | | 1064 | | 1065 | | 1066 | | 1067 | | 1068 | | 1069 | | 1070 | | 1071 | | 1072 | | 1073 | | 1074 | | 1075 | | 1076 | | 1077 | | 1078 | | 1079 | | 1080 | | 1081 | | 1082 | | 1083 | | 1084 | | 1085 | | 1086 | | 1087 | | 1088 | | 1089 | | 1090 | | 1091 | | 1092 | | 1093 | | 1094 | | 1095 | | 1096 | | 1097 | | 1098 | | 1099 | | 1100 | | 1101 | | 1102 | | 1103 | | 1104 | | 1105 | | 1106 | | 1107 | | 1108 | | 1109 | | 1110 | | 1111 | | 1112 | | 1113 | | 1114 | | 1115 | | 1116 | | 1117 | | 1118 | | 1119 | | 1120 | | 1121 | | 1122 | | 1123 | | 1124 | | 1125 | | 1126 | | 1127 | | 1128 | | 1129 | | 1130 | |
|----|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|
|----|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|